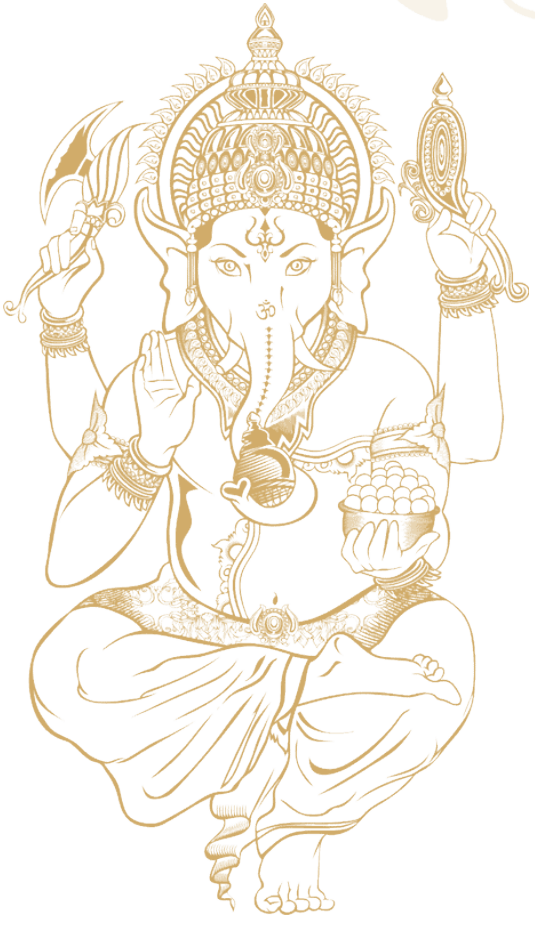

Deepak Kumar

08 May 1998

04:40 AM

Panipat

Model: web-freekundliweb

Order No: 121620115

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**7-08/05/1998**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**04:40:00 घंटे**
इष्ट	57:40:11 घटी
स्थान	**Panipat**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:24:00 उत्तर
रेखांश	76:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:17:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:26 घंटे
साम्पातिक काल	19:20:13 घंटे
सूर्योदय	05:35:55 घंटे
सूर्यास्त	19:01:57 घंटे
दिनमान	13:26:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	23:21:02 मेष
लग्न के अंश	04:25:57 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वज्र
करण	बालव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ष-षडबली
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	04:25:57	486:12:04	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	---
सूर्य			मेष	23:21:02	00:58:02	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	उच्च राशि
चंद्र			कन्या	13:28:03	11:47:40	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	मित्र राशि
मंगल		अ	मेष	24:31:42	00:43:33	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	स्वराशि
बुध			मीन	27:03:20	01:07:45	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	नीच राशि
गुरु			कुंभ	27:00:46	00:10:56	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			मीन	10:51:59	01:07:57	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	उच्च राशि
शनि			मेष	02:34:22	00:07:17	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	नीच राशि
राहु	व		सिंह	14:24:11	00:04:55	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	14:24:11	00:04:55	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			मक	18:52:24	00:00:29	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	08:19:41	00:00:07	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	13:24:07	00:01:31	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			धनु	24:40:53	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:54

लग्न-चलित

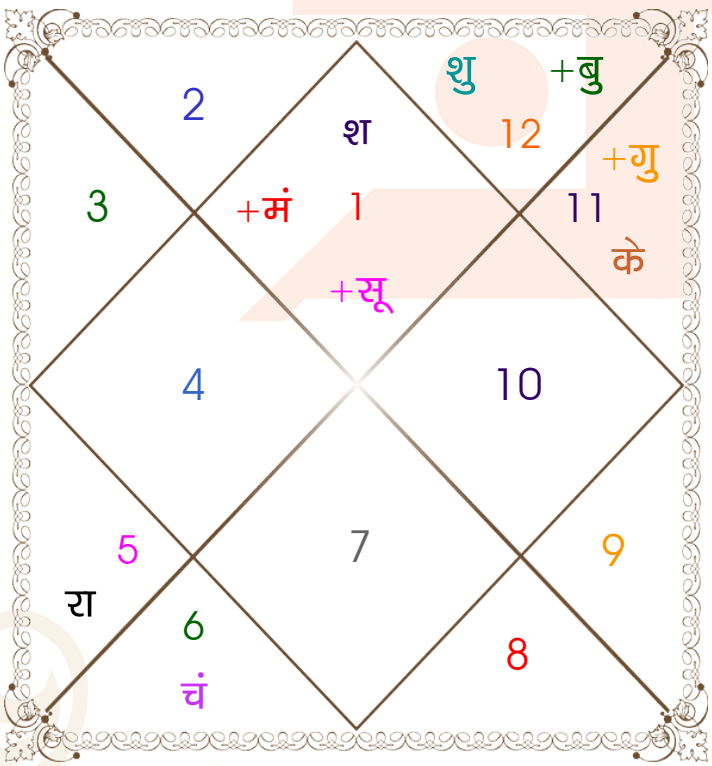

चन्द्र कुंडली

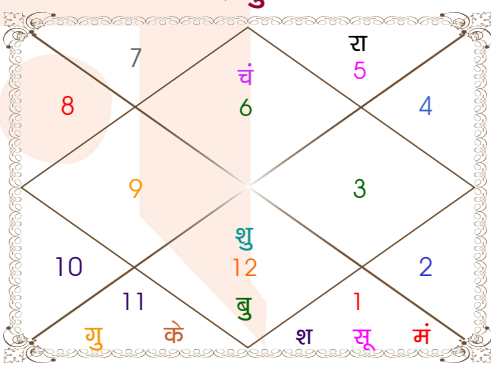

नवमांश कुंडली

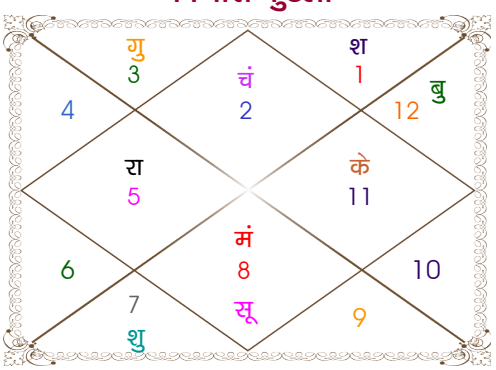

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 7 वर्ष 4 मास 24 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
08/05/1998		30/09/2005		30/09/2012		01/10/2030		01/10/2046	
30/09/2005		30/09/2012		01/10/2030		01/10/2046		30/09/2065	
	00/00/0000	मंगल	26/02/2006	राहु	13/06/2015	गुरु	18/11/2032	शनि	03/10/2049
	08/05/1998	राहु	17/03/2007	गुरु	06/11/2017	शनि	01/06/2035	बुध	12/06/2052
राहु	31/08/1998	गुरु	21/02/2008	शनि	12/09/2020	बुध	06/09/2037	केतु	22/07/2053
गुरु	31/12/1999	शनि	01/04/2009	बुध	01/04/2023	केतु	13/08/2038	शुक्र	21/09/2056
शनि	31/07/2001	बुध	29/03/2010	केतु	19/04/2024	शुक्र	13/04/2041	सूर्य	03/09/2057
बुध	31/12/2002	केतु	25/08/2010	शुक्र	19/04/2027	सूर्य	30/01/2042	चंद्र	04/04/2059
केतु	01/08/2003	शुक्र	25/10/2011	सूर्य	13/03/2028	चंद्र	01/06/2043	मंगल	13/05/2060
शुक्र	01/04/2005	सूर्य	01/03/2012	चंद्र	12/09/2029	मंगल	07/05/2044	राहु	20/03/2063
सूर्य	30/09/2005	चंद्र	30/09/2012	मंगल	01/10/2030	राहु	01/10/2046	गुरु	30/09/2065

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
30/09/2065		01/10/2082		30/09/2089		01/10/2109		02/10/2115	
01/10/2082		30/09/2089		01/10/2109		02/10/2115		00/00/0000	
बुध	27/02/2068	केतु	27/02/2083	शुक्र	30/01/2093	सूर्य	19/01/2110	चंद्र	01/08/2116
केतु	23/02/2069	शुक्र	28/04/2084	सूर्य	30/01/2094	चंद्र	21/07/2110	मंगल	02/03/2117
शुक्र	25/12/2071	सूर्य	03/09/2084	चंद्र	01/10/2095	मंगल	25/11/2110	राहु	09/05/2118
सूर्य	31/10/2072	चंद्र	04/04/2085	मंगल	30/11/2096	राहु	20/10/2111		00/00/0000
चंद्र	01/04/2074	मंगल	31/08/2085	राहु	01/12/2099	गुरु	07/08/2112		00/00/0000
मंगल	29/03/2075	राहु	18/09/2086	गुरु	02/08/2102	शनि	20/07/2113		00/00/0000
राहु	16/10/2077	गुरु	25/08/2087	शनि	01/10/2105	बुध	27/05/2114		00/00/0000
गुरु	21/01/2080	शनि	03/10/2088	बुध	01/08/2108	केतु	02/10/2114		00/00/0000
शनि	01/10/2082	बुध	30/09/2089	केतु	01/10/2109	शुक्र	02/10/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 7 वर्ष 4 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं वृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी, उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाले, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाले और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाले लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति के प्राणी हैं।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करते हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति का विचार को स्वीकार नहीं करते हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करते हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाले हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानते हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करते।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करते तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देते हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाते है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करते हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चाताप का श्रेय दूसरो पर देते तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देते हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी व्यक्ति हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाते हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहते हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप इमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेते हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देते तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करते हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेते हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। आपकी पत्नी आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करती हैं। ऐसा संभव है कि आप अपनी पत्नी की विशेषताओं पर अमल करने लगें।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगे। लेकिन यदि आप पूर्ण सतर्कता से वाहन नही चलाएगें या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है। अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आप अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किए तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग के अथवा पक्षाघात के शिकार हो सकते हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करते रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहार भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगे अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगे तो आपका संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगे तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगे और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन का बचत नियमित करें जो आपके संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।